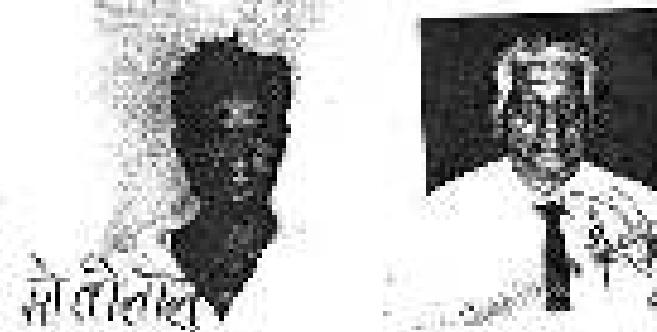




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

165648



विकल—पत्र

जेल पत्र ना संहित विवरण

१. नाम का प्रकार	लूटी
२. जनना	विगतीर
३. ज्ञान	मुजाहिद नगर धूराबल
४. सम्पत्ति ना विवरण (सम्पत्ति नह)	गुगी लक्ष्मा सल्ला—५५६ इमाला ०२९१ हैदराबाद
५. सम्पन नाम हासिल	हेवटेमर

शोधी लोडल

For Registeration





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

165649

- 2 -

६.	विविह सम्पत्ति का नीचकल : ०.२११ हेक्टेयर
७.	सम्पत्ति का प्रकार : गृष्म
८.	पेटों का गुण्योक्तन : नहीं
९.	बोरिंग / कुआ / घास : नहीं
१०.	प्रतिष्ठल की उत्तरायि : ₹० ६,५८,८९३/-
११.	प्रतिलिपन : ₹० ५,००,१५७/-
१२.	स्थान : ₹० ८४,८००/-
१३.	

वौधारी

कर्मसूल नं० ४९६

उत्तरप : असारा संस्कृता—४९६
दक्षिण : असारा गाँड़ा ४७६

मीली लिंगाल

कर्मसूल





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

163650



- 3 -

मुख्य : लखनऊ संख्या—494
प्राप्तिकार : लखनऊ संख्या—497

प्रथम वर्ष की संख्या—०१

प्रिलिंगा का विवरण
भोली जाल पुत्र रुपूर मार्डीने
निवासी—साम मुकामकर नगर
धूरापल, परगना—बिजनीर,
तहसील न जिला जसवन्नल

ज्यायसाम—मृषि

द्वितीय वर्ष की संख्या—०१

जीर्ण लक्षण
कंचन-जला रिएलटर्स प्राइवेट
लिमिटेड दारा श्री अमितका
रसाय दिवेंदी पुत्र बेंगी
प्रसाद दिवेंदी, वरिष्ठ
प्रबन्धक (तामन्नाय), लामान
पठा—तृतीय तला,
वाई०एम०टी०प०० पिल्डग,

संस्कृती लोक

प्रकाशकालीन विभाग, उत्तर प्रदेश

प्रकाशकालीन विभाग
मुख्यमन्त्री कार्यालय

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 296365

13-राष्ट्रा प्रहार मार्ग
लखनऊ
श्रीमान - व्यापार

विकल्प विलेसा

गह कि लिंगोत्तम लूपि भूमि व्यसना नं ५५६ रकमा ०.२१
हेक्टेअर, लिंगोत्तम गुजारकर नगर बुराबल, परगना विजनीर,
उत्तरप्रदेश व जिला लखनऊ के प्राचीक कागित व कवचित है जो
विक्रेता गी पेहुँच सापेहि है जो हम्हें वहात्तान प्राप्त हुइ है
तथा उपरोक्त सत्यापित बटवार्डिक खाता लकड़ी का

जोगी लूपि

M&C Karkhana Limited
Non-Judicial Stamps
An Autocolor Product

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

6.258366

संख्या—142 के अनुसार कृषि भूमि विक्रेता के नाम उमल बरानद
हो सुका है। उक्ता आवासी आव विलास के क्षेत्र ये दस्तावेज
प्राप्तिकाना में संशोध है और जो कहीं विक्रय, हिँद, रहणात्मक,
कृकी, या जमानत अवधि वा प्रतिनियत है, उक्ता आवासी में
किसी अन्य व्यक्ति का फौटे लगानी एवं अधिकार नहीं है और
न ही गोदृ व्यक्ति अग्रीदार है। अब बजरुल्ला सुदूर विक्रेता के
हासी आवासी एकदा लपरानत को पूर्ण स्थानिक एवं अधिकारों
सहित बिना ओके हिल्ली चोख ये हक के द्वारा सोच व समझाकर

मौली (मौली)

Fee Enclosed: Rs. 10/- Date: 10-10-2018

Signature: _____

Signature: _____

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B.288362

- 6 -

बिना छिसी प्रताप के, बएवज सुचितिग रुपा ८५८८८०३/— (लाख
ताल लाल डियालिस इलाह आठ श्री (सेवान्यो माज) जिसके
आधे ₹. ३,२३,४४६.५० (झनवा नीन लाल टोहैस हजार चार सौ
डियालिस न पहे याजा माज) हांगे हैं काँशाजांग। रिएलटर्स
प्राहगोत लिमिटेड हात श्री ड्विनिका प्रसाद ड्विकेदी पूत्र बेनी
प्रताप डिकेदी, यदिन, प्रवत्थक (समन्वय), अंमान चला—तृतीय
तल, गाइरेस०ती००० लिलिदग, १३—साणा प्रताप चार्ग लखनऊ के
बड़ बजाई किया, और कुल विक्रय धनरपि कल्प चाहरीन

सौराष्ट्री लौटी

For Recd. by _____



एक हजार रुपये

ONE THOUSAND RUPEES

₹.1000

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

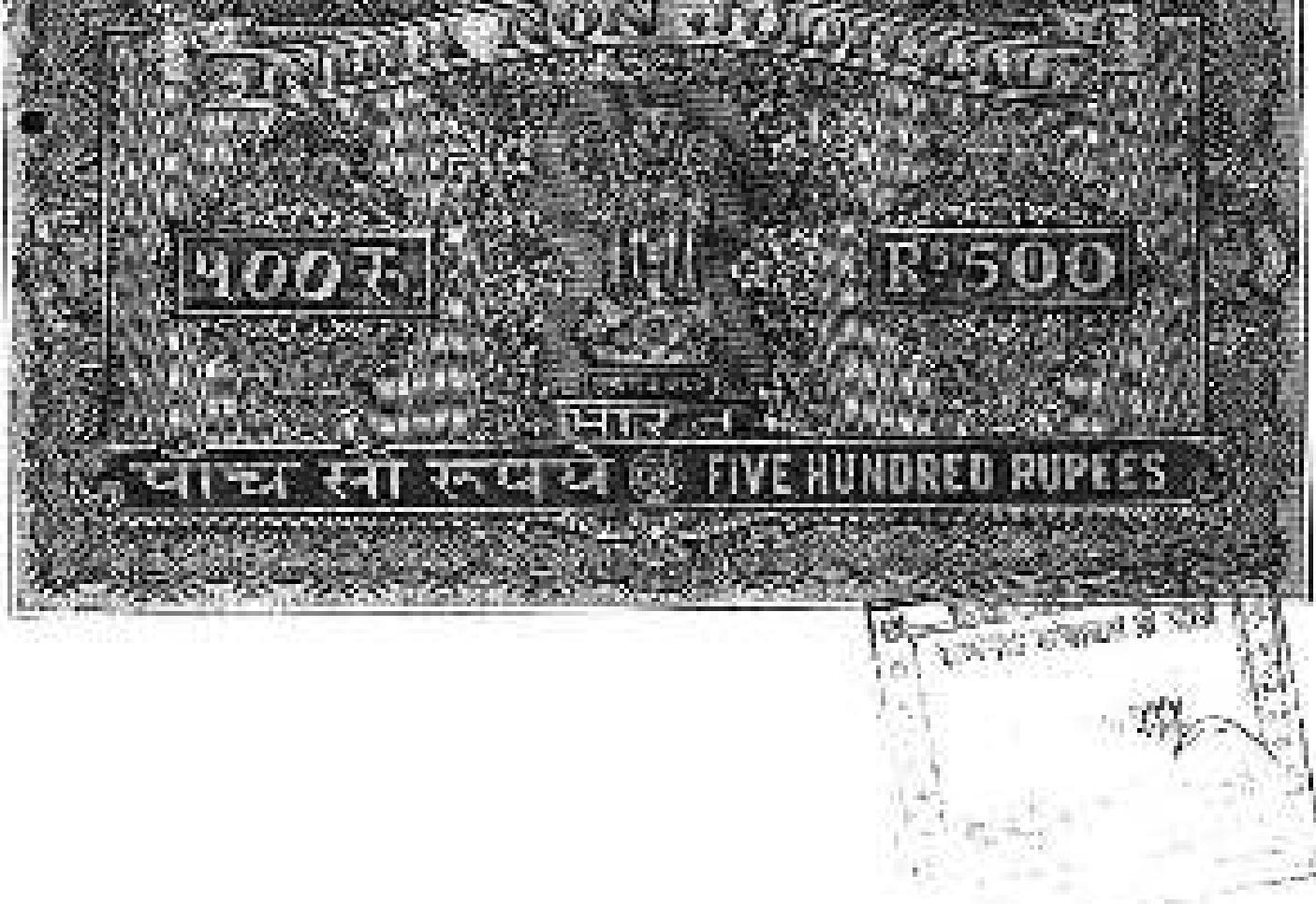
8 285369

परवानेवा एजा कोता सप्तरीका से नीचे हिसे गये पिंडण के जूनसार पाल कर्त्ता कला व नक्षत्र मालिकाना आराजी बयशुदा पर लाज की तारीफ से लेजा उभरोक्त वा आई बखूबी कर दिया, अब गिरेंगा व वारिसन गिरेंगा को कोई हक व चावा निस्त्रेत आराजी बयशुदा व खेळन्य धनराशि के तेजा से बाढ़ी रहा, और गोई परस्य लावा जाने तो वह खिल्लुज नाजायज होवे, और अगर आराजी बयशुदा पूर्ण असना उसका कोई अंत कोता ने रामित एवं अधिकाते से खेल जाने थे। कला न

सौमी लैट्रे

See Backside





- ४ -

मिले या छहीं लिल्लन, टिंबा, झटपटार, लुगी व जमानत आदि से प्रसिद्ध पायी जाती है तो ऐसी रिक्षति ए क्रेता को अधिकर झोगा कि वह अबना कुल विक्रय बनवाउने में हजारी-खच्ची व नुकसान के सब विक्रेता व गारिसान विक्रेता से त विक्रेता नहीं आन सम्भवित चल त आजान से जारिगे न्यायालय आपा चार लेरी, इसमें विक्रेता व गारिसान विक्रेता को नाह आपलि होगी।

कृष्ण द्वारा
कृष्ण द्वारा

For Banchari (कृष्ण)





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

6 051821



शह कला उपरोक्त को सूच आधिकार है कि यह विक्रीत आवाजी के सामग्रे में सापेक्ष समकारी अधिकारियों में अपने नाम दाखिल-दाखिल रखा लेय।

आवाजी उपरोक्त में छठी होती है, आवाजी उपरोक्त में द्युबोल, धुशा य इमारत आदि नहीं है। आवाजी उपरोक्त के 200 सौटर चिक्का में कोई निमाण आदि नहीं है।

आवाजी उपरोक्त चिक्की लिंग गांग लानपर्दी मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नहीं है।

मोती ला लौ

ज्ञान उपरोक्त उपरोक्त उपरोक्त उपरोक्त

प्रधानमंत्री का दाखिला

भारतीय नैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE

HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 051892

- 10 -

आशाजी रेप्ट ग्राम पुनर्वासन नगर बुसाल, पश्चिमा
बिल्होर के अवनगरीय क्षेत्र के लिंगिक घास के अन्तर्गत आठा
है जो नगर निगम शीगा के बाहर स्थित है लिंगिकी क्षेत्र में
लो गांवाल गलियां 13.75,000/- लंबाया प्रति हेक्टेएक्ट की दर
से निशारित है इस प्रकार से विकीर्त आशाजी रकम 0.291
हेक्टेएक्ट है लेकिन वही काफी धरीदार है इसलिए 25
प्रतिशत बढ़ाकर रु 13.18,750/- प्रति हेक्टेएक्ट होती है
जिसके अनुसार पिल्ही भूमि की मालिकता रु 5,00,157/-

स्टोरी ऑफिस

For Non-Judicial



होती है जो कि पिंक्य भूम्य से कम है। ताकि नियमानुसार विद्युत भूम्य पर दानारज रखा गया शुल्क ₹५,८००/- के अला नियंत्रण दरहो है।

लगारोला आराजी भूम्य मार्ग सुलगानपुर रोड से 1 किमी गोदूरी पर स्थित है।

विक्रेता अनुमति जाति य अनुरूपित जनजाति का सदस्य होती है। उक्त आराजी लिसी योजना य किसी राजकारी व अपैराजकारी संस्था द्वारा अधिगृहीत नहीं है।

विवरण मुद्रातान

- विक्रेता का रु० ५००,०००/- (विद्युत पीछे लाख गाँव) जरिये चेक संख्या-४८८८०८ दिनांकित १५.०९.२००६ पञ्जाब नियानत बैंक शास्त्रा इन्डस्ट्रीज, लखनऊ क्षेत्र से प्राप्त हुए।
- विक्रेता दम बन्द को रु० १५,८८५/- (विद्युत एक लाख छियालिम हजार आठ सौ तिहानाहे माल) जरिये चेक संख्या-४८८८०८ दिनांकित १५.०९.२००६ पञ्जाब नियानत बैंक शास्त्रा इन्डस्ट्रीज, लखनऊ क्षेत्र से प्राप्त हुए।

बोटो लिंग

For E-mail: botolings@gmail.com



ANSWER

१८४५ विलास
अ विहंति द्वितीय
द्वि नवे रो गांधी
करु द्वि
दिवारी एवं द्वारावायन
द्वारा द्वि
न नवे द्वारावायन एवं द्वारावायन
द्वि दिवारी एवं द्वि

“**प्राणी जन्मे तो जन्मते हैं। अपनी जन्मते हैं तो जन्मते हैं।**”

१८७

୧	<u>ପାତାର କାଳି</u>
୨	<u>କାଳି ପାତା</u>
୩	<u>କାଳି ପାତାର କାଳି</u>
୪	<u>କାଳି</u>
୫	<u>କାଳି</u>
୬	<u>କାଳି ପାତା</u>
୭	<u>କାଳି ପାତାର କାଳି</u>
୮	<u>କାଳି</u>
୯	<u>କାଳି ପାତା</u>
୧୦	<u>କାଳି ପାତାର କାଳି</u>
୧୧	<u>କାଳି</u>

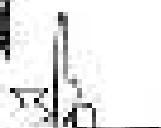
१८४९-१८५० वर्षात् ब्रिटिश सरकार ने अंग्रेजों की विजय का उत्सव मनाया।

Part VI

30 103

- 10 -

238

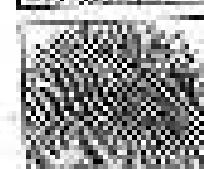
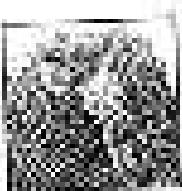


दूसरी पालने
जा जिम्बाब्वे (ज्य२५)
जल्दी

1-2-2010

1

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା



१० श्रीपात्राम
लग शिवम् (प्रथम)
स्वरूप
१०५४०५०५

इस प्रकार बुद्ध विकल्प मूल्य रु० ८,५८,७५०/- (अमरा
चर लाख छिथात्स हफार आठ सौ चौरानवे मात्र) प्रिलेटा ने
जेता से प्रकृत गाया।

निषाढ़ा यह दस्तावेज़ प्रिलेटा ने अपनी खुशी व रक्खामनी
से शुभ सौंब व स्वाक्षर बोता किसी दबाव के क्रैता उपरोक्त
को घट में लिल्ल दिया गए सबन रहे और बता जाकरता पर
काम आज़।

अत आज उन्ह ज्ञानो ने इस विकल्प प्रिलेटा पर
जपुने-अग्ने इत्ताहार लरके इसे निष्पादित दिया।

दिनांक - 15/09/2006

लखनऊ

गणपति नाना -
प्रिलेटा लोला
प्रिलेटा
प्रिलेटा
प्रिलेटा
प्रिलेटा

2. गणपति नाना - ज्ञानो विकल्प
प्रिलेटा लोला लखनऊ १५/०९/२००६

प्रिलेटा लोला

प्रिलेटा



जेता

दार्शकर्ता

(राम कुमार)
सिपिएल कोर्ट लखनऊ

विवरित कर्ता

(सुधार अंजलि ठुसीन)
एडवोकेट

सिंह

रजिस्ट्रेशन नं 7842

वार्षा २०१५

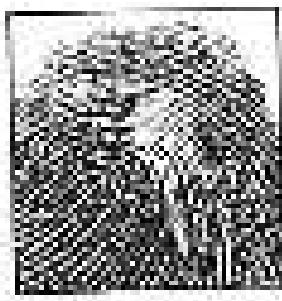
प्रकाशन

गोपी लला

८३

पुस्तक विक्रम सिंह

गोपी



नवरा नगरी

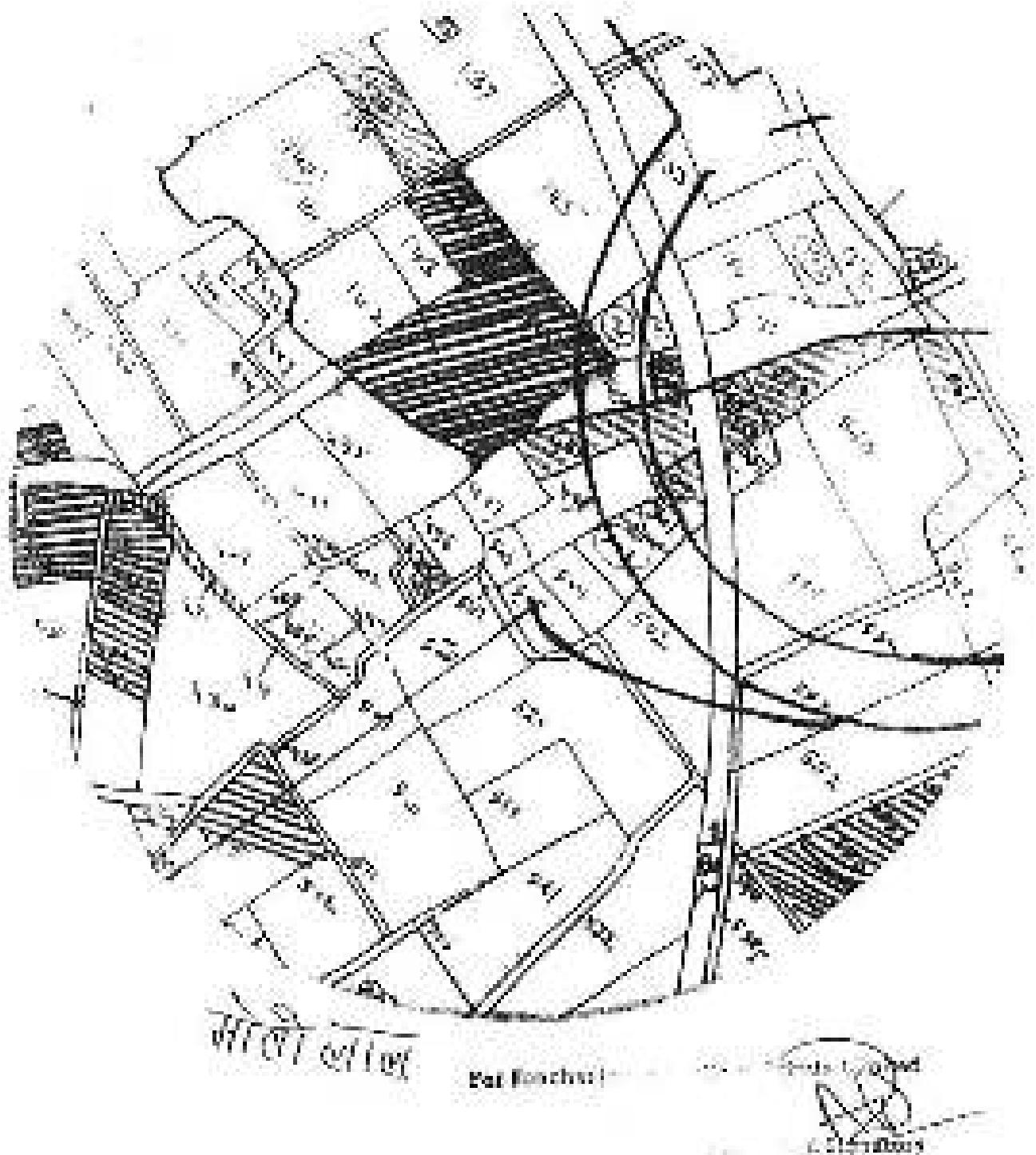
प्राप्त = अमृतपुरा नगरी दूरसंचार

वर्तमा संख्या = १८९६

दिनांक = शेषीलिया द्वय ईश्वर

क्रम = लोकालय भूमि एवं निम्न और ऊपरी लोकालय क्षेत्र

यित्ता सम्पत्ति ले निकट स्थित समस्त समाजियों का विवरण

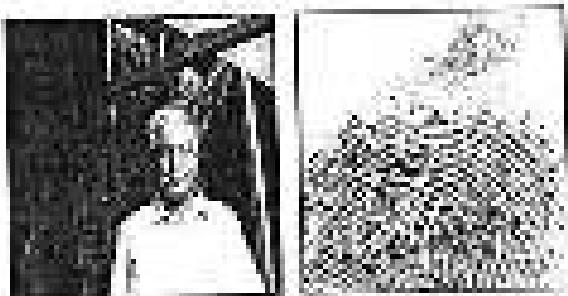


Registration No.: 1503

0021. ଶ୍ରୀ କମଳ ପାତ୍ର ପାତ୍ରଚନ୍ଦ୍ର
ପାତ୍ରଚନ୍ଦ୍ର
ପାତ୍ରଚନ୍ଦ୍ର
ପାତ୍ରଚନ୍ଦ୍ର

Year : 2006

Postbox :

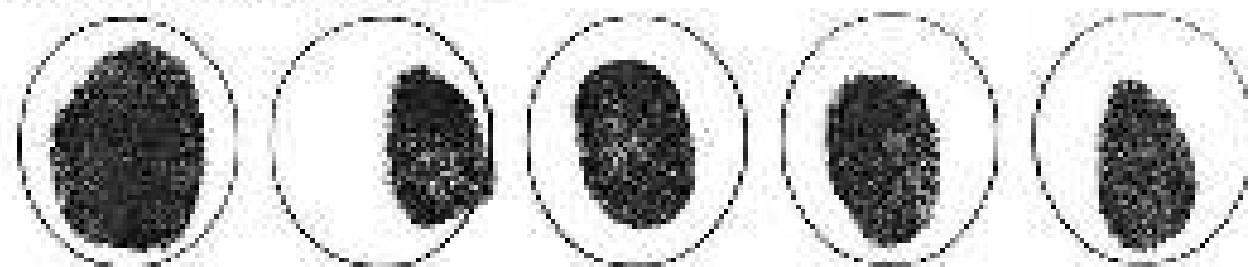


• इंडियन स्टेट्स अधिनियम 1903 की धारा - 32 (ए) को अनुप्राप्ति के लिए.

फिल्म फिल्डस

व्यक्तिगत / प्रिवेट राज्य के लिए - दो बड़े लूप वाले व्यक्तिगत व्यापार व्यवस्था के लिए उपयोग के लिए अनुप्राप्ति के लिए अनुमति।

शाय शाय के अनुप्राप्ति के लिए -

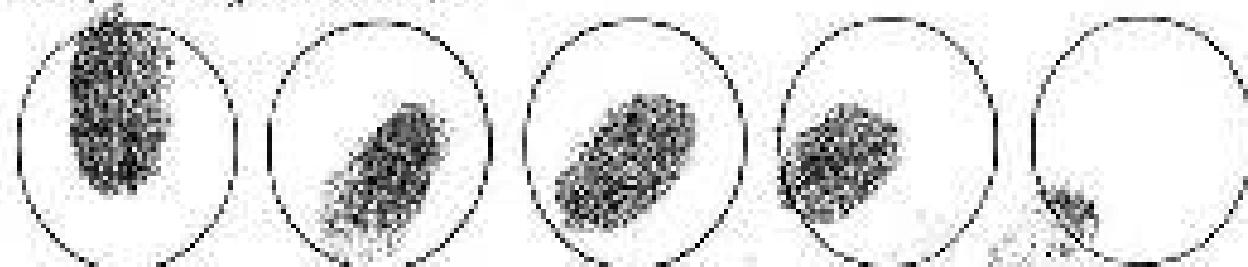


दाढ़ने हाई के अनुप्राप्ति के लिए -

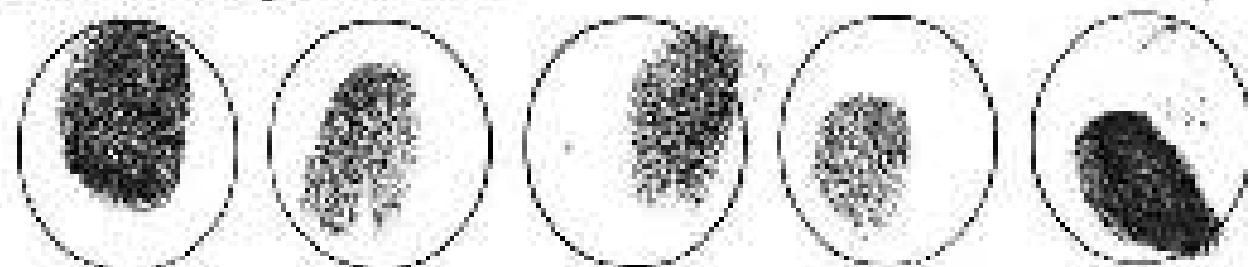


गोली लूप (ए)

व्यक्तिगत / विक्री / बेचा के लक्षणात्मक व्यापार व्यवस्था के लिए अनुप्राप्ति के लिए अनुमति दी गई है। यहाँ दी गई व्यापार व्यवस्था के लिए अनुप्राप्ति के लिए अनुमति दी गई है। यहाँ दी गई व्यापार व्यवस्था के लिए अनुप्राप्ति के लिए अनुमति दी गई है।



दाढ़ने शाय के अनुप्राप्ति के लिए -



प्रति वर्ष 1000 रुपये के लिए अनुप्राप्ति के लिए अनुमति दी गई है।

अनु नं० १५११२/२००६ वा

संग्रहीत दिनांक २००२

पृष्ठा नं० २५३ ते २८० पर अनुसंधान २३४९

विभागीय संग्रहीत दिनांक २००२

५ जून श्रीलंकाराव

दूषण विवरण (उपर्युक्त)

लालनाडू

१९७२-७३